आगरा-उ.प्र.। विश्व पर्यटक दिवस पर ब्रह्माकुमारीज गैलरी ऑफ स्पिरिचुअल लव एंड विजडम के तत्वावधान में राजयोगिनी ब्र.कु. विमला दीदी की 9वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य। मौके पर उपस्थित स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शीला, म्यूजियम प्रभारी ब्र.कु. मधु, ब्र.कु. माला, ब्र.कु. विमला, ब्र.कु. मंजरी, ब्र.कु. सरिता, भाजपा जिला मंत्री प्रतिनिधि नरेश शर्मा, पार्षद मधु मौर्य, ब्र.कु. कबीर तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

माउंट आबू-राज.। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय पाण्डव भवन में ब्रह्मा बाबा के शान्ति स्तम्भ पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात् समूह चित्र में परिवार सहित त्रिपुरा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुब्यसाची दत्ता पुरकायस्थ एवं राजयोगी ब्र.कु. शशिकान्त,माउंट आबू।

बिलारी-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज द्वारा ग्रीनवुड फार्म हाउस,सहसपुर में 'सकारात्मक परिवर्तन के लिए जागरूक मीडिया' विषय पर आयोजित सेमिनार का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अलका, ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. ब्र.कु. शान्तनु,माउंट आबू तथा अन्य अतिथिगण।

फाजिल्लनगर-उ.प्र.। नगरपंचायत अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता,तमकुहीराज से ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भारती। साथ हैं ब्र.कु. सावित्री, ब्र.कु. माधुरी, ब्र.कु. सूरज एवं ब्र.कु. उदयभान।

स्व ऑडिट : 2025 का लेखा जोखा

आगामी वर्ष में नयी उड़ान के संकल्प

-ब्र.कु. आकाश

एक वह आत्मा जिसने परमपिता शिव बाबा(शिव परमात्मा) के स्नेह शक्ति और श्रीमत के अनुसार अपना जीवन दिव्य बनाने का संकल्प लिया है। 2025 मेरे लिए आत्म परिवर्तन और ईश्वर के निकटता का एक विशेष वर्ष रहा। इस वर्ष में मैंने अनेक संकल्प किए थे- अपने स्वभाव में दिव्य गुणों का विकास करना, संस्कारों में श्रेष्ठता लाना, सम्बन्धों में मधुरता स्थापित करना, बुरी आदतों से मुक्त रहना और निगेटिविटी या व्यर्थ इन संकल्पों को समाप्त करना।

आज मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ तो अनुभव होता है कि बाबा की कृपा और निरन्तर अभ्यास से बहुत कुछ बदला है। क्रोध की जगह शान्ति ने ली, असहिष्णुता की जगह सहनशीलता आई और सम्बन्धों में पहले से अधिक प्रेम, समझ और सहयोग की भावना विकसित हुई। अनेक बार परिस्थितियां आई, पर हर बार "मैं परमात्मा का बच्चा हूँ, शक्तिशाली हूँ, ड्रामा में मेरा विशेष पार्ट है" की स्मृति ने मुझे शान्त व स्थिर रखा। यह 2025 का आत्म लेखा-जोखा मेरे लिए एक प्रेरणा है कि परिवर्तन की दिशा सही है, बस निरन्तरता बनाए रखना। फिर भी, कुछ और गहराई की आवश्यकता है- जैसे कि मन की पूर्ण शुद्धता, संगम के समय का सही उपयोग, और हर कार्य में परमात्मा की याद की निरन्तरता। कभी-कभी सेवा में व्यस्तता के बीच बाबा की उपस्थिति को भूल जाता हूँ, यह वह क्षेत्र है जहाँ 2026 में मुझे बहुत सजग रहना है।

उसके लिए नये दिव्य संकल्प के साथ-साथ नया उमंग-उत्साह और तीव्र गति से जो बाबा ने मुझ पर आस रखी है और मेरा निजी लक्ष्य भी है कि परमात्मा के सानिध्य में और निकट होकर सर्वशक्तियाँ और सर्व दिव्यगुणों से सम्पन्न कर लूँ। उसके लिए 6 संकल्प दिल से करता हूँ कि-

1. सदा स्मृति रहे- हर क्षण यह अनुभव रहे कि मैं शान्ति, प्रेम और पवित्रता का फरिश्ता हूँ।

2. सम्बन्धों में श्रेष्ठता- प्रत्येक आत्मा को बाबा का बच्चा समझकर उसके साथ दिव्य दृष्टि और करुणा से व्यवहार करूं।

3. सेवा में नयापन- अपने विचारों, वाणी और कर्म से लौकिक और अलौकिक सेवा में नयापन और शक्ति लाऊं।

4. समय की पवित्रता- हर क्षण, हर पल को बाबा की याद में भरकर जीवन को श्रेष्ठ स्वर्णिम बनाऊं।

5. संयम और सादगी- खान-पान, बोल-चाल और बाबा की बनाई हुई दिनचर्या में मर्यादाएं पालन करूं ताकि आत्म-बल निरन्तर बढ़े।

6. बाबा की अपेक्षाओं पर खरा उतरना- परमात्मा जो चाहता है कि उसका हर बच्चा विश्व का प्रकाश स्तम्भ बने, लाइट हाउस बने, 'मैं उस कार्य का पात्र बनूं।'

2025 की यात्रा ने मुझे यह सिखाया कि आत्मा की वास्तविक प्रगति केवल अभ्यास, निष्ठा और बाबा की याद से सम्भव है।

अब 2026 में मेरा लक्ष्य है कि मैं अपनी हर श्वास, हर संकल्प और हर विचार को 'बाबा के संग रखूं'। जब मैं स्वयं सम्पूर्णता की ओर बढ़ूंगा तो मेरे वायब्रेशन्स से विश्व में शान्ति, प्रेम और एकता का प्रसार होगा। यही मेरा नववर्ष में संकल्प है- "स्वयं को दिव्य बनाना और परमात्मा की आशाओं को पूर्ण करना।"

आजमगढ़-फूलपुर(उ.प्र.)। फूलपुर कोतवाली में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में कोतवाल महोदय सहित पुलिस के सभी जवान, ब्र.कु. उमा, ब्र.कु. कंचन तथा अन्य ब्रह्माकुमार भाई।

बाढ़-बिहार। एनटीपीसी बाढ़ में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में एनटीपीसी बाढ़ ईडी,एचओपी श्रीनिवास राव सहित सभी अधिकारी व साथ हैं स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति तथा अन्य।

भुवनेश्वर-ओडिशा। नवरात्रि के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र द्वारा डी.एम. रिसोर्ट में आयोजित चैतन्य देवियों की झाँकी का अवलोकन करने के पश्चात् ओडिया भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विभाग की सहायक निदेशिका श्रीमती सुचिस्मिता मंत्री को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. तपस्विनी। साथ हैं डी.एम. रिसोर्ट की मालिक श्रीमती प्रतिमा आचार्य, डी.एम. पब्लिक स्कूल अध्यक्षा श्रीमती नयनतारा आचार्य एवं एनजीओ-कार्ड की निदेशिका ब्र.कु. मंजू प्रभा।

जयपुर-अर्जुन नगर(राज.)। महेश नगर थाना में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. भावना, ब्र.कु. सुप्रिया, थाना प्रभारी गुंजन सोनी तथा अन्य पुलिसकर्मी।

ऊपर से नीचे

1. आपका मध्य का स्वरूप पूज्य चित्र हैं तो मध्य ..... में भी पूज्य रूप में आप वरदान देने वाले, दुआयें देने वाले, आशीर्वाद देने वाले दाता रूप हो।(3)
2. हर एक को यह ..... है कि चारों ओर की सेवा से अभी उल्हनें को पूरा जरूर करना है।(2)
3. पुण्य का खाता एक का 10 गुणा फल देता है। तो सारे ..... में नोट करो-संकल्प द्वारा, वाणी द्वारा, सम्बन्ध-सम्पर्क द्वारा पुण्य आत्मा बन पुण्य का खाता कितना जमा किया? (2)
4. माया देखती है कि ..... आत्मा अलबेली हो गई है तो माया आर्डर करने लगती है। कभी संकल्प शक्ति, कभी मुख की शक्ति माया के आर्डर में चल पड़ती है।(6)
6. जिस शक्ति की जिस समय आवश्यकता है उस समय जी हाजिर हो जायेगी। ऐसे नहीं ..... पूरा हो जाए और आप आर्डर करो सहनशक्ति आओ।(2)
9. सभी अपने-अपने तरफ से सेवा का प्लैन प्रैक्टिकल में ला रहे हैं। इसके लिए बापदादा ..... से मुबारक दे रहे हैं। (2)
11. आपका आदि स्वरूप ..... रूप, उसका अर्थ ही है ..... अर्थात् देने वाला।(3)
12. संस्कार परिवर्तन से ..... परिवर्तन होगा।(3)
14. आत्माओं को सन्देश द्वारा अंचली देते रहेंगे तो .....स्वरूप में स्थित रहेंगे, तो दातापन के पुण्य का फल शक्ति मिलती रहेगी।(2)
16. सीट पर .....जो है वह स्वप्न में भी अपसेट नहीं हो सकता।(2)
17. लास्ट में आपके एक ..... की दृष्टि कमाल करेगी। मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।(3)
19. ब्राह्मण आत्मायें वर्तमान वायुमण्डल को देख विदेश में ..... तो नहीं हैं?(3)
20. अगर ब्राह्मण दृढ़ ..... करें तो क्या नहीं हो सकता! सब हो जायेगा सिर्फ योग को ज्वाला रूप बनाओ।(3)
22. आत्मा करावनहार स्वरूप की स्मृति रहे तो सर्व कर्मेन्द्रियां आर्डर में रहेंगी। ..... के आर्डर में नहीं रहेंगी, आपके आर्डर में रहेंगी।(2)

अव्यक्त मुरली 13-02-2003 (पहेली-02)2025-26

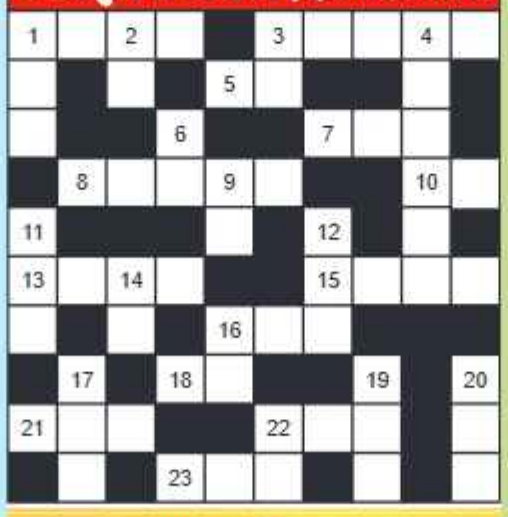

01/24- पहेली का उत्तर

(अव्यक्त मुरली 18-01-2003)

ऊपर से नीचे: 1.दिलखुश, 2.सहज, 3.समान, 5.मधुबन, 6.रहम, 9.वरदान, 10.अशरीरी, 11.उपराम, 13.विशेषता, 17.शान्ति, 18.समय, 19.शिव, 21.खुश।

बायें से दायें: 1.दिवस, 4.कमजोर, 7.हनुमान, 8.जीवन, 10.अन्त, 12.रवि, 14.बापदादा, 15.शरीर, 16.नशा, 18.समर्थ, 20.प्रेम, 22.वर्से, 23.यज्ञ, 24.शक्तिशाली।

बायें से दायें

1. जो सदा दाता बनता है, उस पुण्य का फल समय पर सहयोग, समय पर ..... उस आत्मा को सहज प्राप्त होता है। (4)
3. वाणी द्वारा किसी कमजोर आत्मा को खुशी में लाना, परेशान को शान स्मृति में लाना, ... आत्मा को अपनी वाणी द्वारा उमंग-उत्साह में लाना, सम्बन्ध -सम्पर्क से आत्मा को अपने श्रेष्ठ संग का रंग अनुभव कराना, इस विधि से पुण्य का खाता जमा कर सकते हो।(5)
5. विश्व में अनेक प्रकार की आत्मायें हैं, किन आत्माओं को ..... अमृत चाहिए, अन्य आत्माओं को शक्ति चाहिए, गुण चाहिए, आप बच्चों के पास सर्व खण्ड खजाने हैं। हर एक आत्मा की कामना पूर्ण करने वाले हो।(2)
7. जिस सेन्टर पर कोई ..... नहीं हो सिर्फ मातायें हों तो अच्छा लगेगा! और सिर्फ ..... हों, शक्तियां नहीं हो, तो भी सेवाकेन्द्र का श्रृंगार नहीं लगता हैं।(3)
8. वर्तमान समय अपना ..... और दाता स्वरूप प्रत्यक्ष करो"(5)
10. कहो इतना ..... है जो दिल कहता है कि अगर हैं तो हम डबल विदेशी हैं। डबल ..... है, स्वराज्य अधिकारी सो विश्व अधिकारी।(2)
13. आज ..... बाप अपने ज्ञान दाता, शक्ति दाता, गुण दाता, परमात्म सन्देश वाहक बच्चों को देख रहे हैं।(4)
15. पुण्य का खाता जमा कर रहे हैं लेकिन पिछले जो कुछ संस्कार का बोझ है, वह भस्म योग ज्वाला से होगा। ..... योग से नहीं।(4)
16. बापदादा अभी सेवा का प्रत्यक्ष संगठित रूप देखने चाहते हैं। मेहनत अच्छी कर रहे हो, हर एक अपने वर्ग की, एरिया की, जोन की, ... की कर रहे हो, बापदादा खुश होते हैं।(3)
18. अभी से राज्य अधिकारी बनने के संस्कार भरेंगे तब ही वहाँ भी राज्य चलायेंगे। स्वराज्य अधिकारी की ..... से कभी भी नीचे नहीं आओ। अगर कर्मेंद्रियां आर्डर पर रहेंगी तो हर शक्ति भी आपके आर्डर में रहेगी।(2)
21. ब्राह्मण आत्मायें परमात्म छत्रछाया के अन्दर सदा फूफ हैं। बेफिक्र बादशाह हो ना! कि थोड़ा-थोड़ा ..... है, क्या होगा?(3)
22. सर्व शक्तियां आपके आर्डर पर रहेंगी, सर्व कर्मेन्द्रियां आपके आर्डर पर रहेंगी, इसको कहा जाता है स्वराज्य अधिकारी, ... सर्वशक्तिवान।(3)
23. जितनी ..... में हलचल होगी उतनी ही आप ब्राह्मणों की स्टेज अचल होगी।(3)